Two-day National Seminar on Women's Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study of Meghalaya & Haryana

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Aaj Samaj **Date: 28-03-2024**

सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक: प्रो. टंकेश्वर कुमार

नीरज कौशिक

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकासः मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। कुलपति ने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूएसटीएम के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. पी.सी. जोशी ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में दिखने वाली विविधता अपने आप में अद्वितीय है। यह शोध कार्य भी ऐसी ही दो विविधताओं वाले राज्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खानपान से लेकर जीविकापार्जन व सांस्कृतिक मोर्चे पर हरियाणा व मेघालय में भारी अंतर देखने को मिलता है। अवश्य ही इस शोध के माध्यम से इस विषय से जुड़े विभिन्न पहलु सामने आएंगे। उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक प्रयासों पर भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। आयोजन में सम्मिलित अतिथि प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व

कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तिकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. तनवी भाटी व यूएसटीएम की डॉ. कुघाटोली आय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. युधवीर ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पायल चंदेल, प्रो. आनंद शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डॉ. अमन वर्मा, डॉ. रेनु यादव, डॉ. रश्मि तंवर, डॉ. पवन कुमार, डॉ. अरविंद तेजावत, डॉ. अभिरंजन सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 28-03-2024**

आयोजन

हकेंवि में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार शुरू

सतत विकास के लिए महिला सशक्तीकरण जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई।

02

दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महिला सशक्तिकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार

स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अतिथि। स्रोत : हकेंवि

के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्य वक्ता प्रो. पीसी जोशी ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में दिखने वाली विविधता अपने आप में अद्वितीय है। यह शोध कार्य भी ऐसी ही दो विविधताओं वाले राज्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खानपान से लेकर जीविकापार्जन व सांस्कृतिक मोर्चे पर हरियाणा, मेघालय में भारी अंतर देखने को मिलता है। अवश्य ही इस शोध के माध्यम से इस विषय से जुड़े विभिन्न पहलु सामने आएंगे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक प्रयासों पर भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तीकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। प्रो. राजेश गिल ने हरियाणा, मेघालय के स्तर पर महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए समान व्यवस्था विकसित करने की बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन ने जीविकापार्जन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित अपना व्याख्यान दिया और बताया कि किस तरह से उत्तर पूर्व में महिलाएं घर के मुखिया के रूप सशक्त रूप से सक्रिय हैं। समाजशास्त्र विभाग की शिक्षक प्रभारी डॉ. टी. लोंग्कोई ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Tribune **Date: 28-03-2024**

महिला सशक्तीकरण और सतत विकास पर सेमिनार आयोजित

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नयी दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तीकरण और सतत विकास : मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

दैनिक ट्रिब्यून

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Haribhoomi **Date: 28-03-2024**

महिला सशक्तिकरण से ही सतत विकास संभव

■ हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरूआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी) मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्यवक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

महेंद्रगढ़। सेमिनार के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार, अतिथिगण। **फोटो: हरिभूमि**

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जीडी शर्मा ने कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Navoday Times **Date: 28-03-2024**

सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी : वीसी

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महेंद्रगढ़, 27 मार्च (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूसीएमटी), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पी.सी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चण्डीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की प्रथम महिला प्रो. सुनीता श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्यही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा। कुलपति ने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने हेतु आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूसीएमटी के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति टंकेश्वर कुमार व अतिथिगण।

आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. पी.सी. जोशी ने भारत का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत में दिखने वाली विविधता अपने आप में अद्वितीय है। यह शोध कार्य भी ऐसी ही दो विविधताओं वाले राज्यों पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खानपान से लेकर जीविकापार्जन व सांस्कृतिक मोर्चे पर हरियाणा व मेघालय में भारी अंतर देखने को मिलता है। अवश्य ही इस शोध के माध्यम से इस विषय से जुड़े विभिन्न पहलु सामने आएंगे। उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण हेतु आवश्यक प्रयासों पर भी विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। आयोजन में सम्मिलित अतिथि प्रो. आभा चौहान ने महिला सशक्तिकरण को आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक व कानूनी पक्षों से जोड़ते हुए अपनी बात रखी और महिला सशक्तिकरण के स्तर पर आवश्यक बदलावों पर जोर दिया। इसी क्रम में प्रो. राजेश गिल ने हरियाणा व मेघालय के स्तर पर महिलाओं की स्थिति पर अपनी बात रखते हुए समान व्यवस्था विकसित करने की बात कही। उन्होंने कहा कि महिलाएं प्रबंधन के मामलें में हर तरह से अव्वल है। उन्हें आर्थिक व सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त होनी चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रो. अब्दुल मतीन ने अपने संबोधन में जीविकापार्जन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित अपना व्याख्यान दिया और बताया कि किस तरह से उत्तर पूर्व में महिलाएं घर के मुखिया के रूप सशक्त रूप से सक्रिय हैं।

आयोजन में आरंभ में समाजशास्त्र विभाग की शिक्षक प्रभारी डा. टी. लोंग्कोई ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और विषय पर प्रकाश डाला। मंच का संचालन विभाग की सहायक आचार्य डा. तनवी भाटी व यूएसटीएम की डा. कुघाटोली आय ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा. युधवीर ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्रो. पायल चंदेल, प्रो. आनंद शर्मा, डा. राजेंद्र प्रसाद मीणा, डा. अमन वर्मा, डा. रेनु यादव, डा. रश्मि तंवर, डा. पवन कुमार, डा. अरविंद तेजावत, डा. अभिरंजन सहित शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

epaper.navodayatimes.in
नवोदय टाइम्स Thu, 28 March 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/74814310

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 28-03-2024**

'सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी'

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आइसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। महिला सशक्तिकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी, अतिथि वक्ता हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रो. आभा चौहान, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ की प्रो. राजेश गिल व मुख्य वक्ता के रूप में यूसीटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि शोध का विषय बेहद महत्त्वपूर्ण है और अवश्य ही आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञों के माध्यम से इस विषय को और बारीकी से समझा जा सकेगा।

कुलपति ने कहा कि सतत विकास के लिए महिला सशक्तिकरण आवश्यक है। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विषय के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिला-पुरुष के बीच समानता स्थापित करने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा के मोर्चे से लेकर सामाजिक व आर्थिक विकास के स्तर पर बदलाव किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह आयोजन इस दिशा में मददगार साबित होगा। यूएसटीएम के कुलपति प्रो. जी.डी. शर्मा ने अपने संबोधन में विशेष रूप से हरियाणा व मेघालय पर केंद्रित इस आयोजन के संदर्भ में कहा कि दोनों ही स्थानों पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, सामाजिक स्तर पर भारी अंतर देखने को मिलता है और अवश्य ही यह शोध कार्य उल्लेखनीय बदलावों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सेमिनार की स्मारिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

स्नातक पाठ्यक्रमों में बढ़ी आवेदन की अंतिम तिथि

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हकेंवि महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में 27 फरवरी से आरंभ हुई दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) यूजी 2024 के अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रमों आवेदन की अंतिम तिथि 26 मार्च से बढ़ाकर अब 31 मार्च कर दी गई है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) आनलाइन आवेदन व अन्य विवरण के लिए https://exams.nta.ac.in/CUET-UG/ व www.cuh.ac.in पर लागइन करें।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 29-03-2024**

महिलाओं का पुरुषों को पीछे छोड़ना बदलाव का परिचायक

हरियाणा केंद्रीय विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली की ओर से वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का वीरवार को समापन किया गया। महिला सशक्तीकरण और सतत विकास मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से किया गया। समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलती है और इसके माध्यम से हम समाज को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं। मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि ग्रामीण संस्कृति, ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण हरियाणा में महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में कुछ लोगों की अलग मानसिकता देखने को मिलती है।

सेमिनार के उद्घाटन सत्र पर उपस्थित कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व अतिथि। संवाद

उन्होंने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब समाज परिवर्तित हो रहा है। बहुत से क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है जो बदलते समाज का सबसे बड़ा परिचायक है। प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम योगदान है। शिक्षा के माध्यम से महिला अबला से सबला बन सकती है। समापन सत्र की शुरुआत सेमिनार की संयोजक डॉ. टी लोंग्कोई की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी, डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र पर शिक्षक, विद्यार्थी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 29-03-2024**

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

समाज में आर्थिक, सामाजिक व लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद को समझाया

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि, महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को समापन हो गया।

महिला सशक्तीकरण और सतत विकास: मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित यह दो दिवसीय सम्मेलन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान दिया। प्रो. खजान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा किए। दूसरे मुख्य

मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए डॉ. टी. लोंग्कोई।

वक्ता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। सेमिनार की शुरुआत संयोजक डॉ. टी. लोंग्कोई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई।

समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी व डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र के अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Ranghosh **Date: 29-03-2024**

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुआ समापन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का गुरुवार को समापन हो गया। महिला सशक्तिकरण और सतत विकासः मेघालय व हरियाणा के संदर्भ में एक तुलनात्मक अध्ययन विषय पर केंद्रित इस दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (यूएसटीएम), मेघालय व त्रिपुरा बेंबु एंड केन डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से आयोजित इस सेमिनार के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई

दिल्ली के प्रो. मैत्रयी चौधरी तथा विशेषज्ञ वक्ता के रूप में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक से प्रो. खजान सिंह सांगवान व प्रो. जितेंद्र प्रसाद उपस्थित रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. मैत्रयी चौधरी ने समाजशास्त्र में तुलनात्मक अध्ययन के महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से समाज में हो रहे परिवर्तनों को समझने में मदद मिलती है और इसके माध्यम से हम समाज को बेहतर ढ़ंग से समझ सकते हैं। आयोजन में मुख्य वक्ता प्रो. खजान सिंह सांगवान ने हरियाणा के संदर्भ में महिलाओं की स्थिति पर अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि ग्रामीण संस्कृति, ग्रामीण पृष्ठभूमि होने के कारण हरियाणा में महिलाओं की स्थिति के संदर्भ में कुछ लोगों की अलग मानसिकता देखने को मिलती है। प्रो. खजान सिंह ने विभिन्न उदाहरणों व अनुभव साझा करते हुए कहा कि अब समाज परिवर्तित हो रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत से क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है जो बदलते समाज का सबसे बड़ा परिचायक है। आयोजन में दूसरे मुख्य वक्ता प्रो. जितेंद्र प्रसाद ने समाज में आर्थिक, सामाजिक, लैंगिक आधार पर महिलाओं और पुरुषों में हो रहे विभेद पर अपनी बात विस्तार से रखी। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण में शिक्षा का अहम योगदान है। शिक्षा के माध्यम से महिला अबला से सबला बन सकती है। समापन सत्र की शुरुआत सेमिनार की संयोजक डॉ. टी. लोंग्कोई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के साथ हुई। उन्होंने बताया कि दो दिवसीय इस आयोजन में देश के विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से जुड़े विशेषज्ञों व प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समापन सत्र के अंत में यूएसटीएम के प्रो. अब्दुल मतीन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। समापन सत्र के दौरान मंच का संचालन डॉ. तनवी भाटी व डॉ. रश्मि तंवर ने किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। समापन सत्र के अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Impressive Times **Date: 28-03-2024**

Conclusion of Two-Day National Seminar at Haryana Central University(CUH)

Sanjay Kumar
info@impressivetimes.com

MAHENDRAGARH : The two-day National Seminar concluded at Haryana Central University , Mahendragarh, sponsored by the Indian Council of Social Science Research (ICSSR), New Delhi. The seminar, funded by the financial aid of the ICSSR, focused on a comparative study titled "Women Empowerment and Sustainable Development: A Comparative Study in the Context of Meghalaya and Haryana."The seminar was organized in collaboration with the University of Science and Technology, Meghalaya, and the Tripura Bembu and Ken Development Center.In the concluding session of the seminar, the chief guest was Professor Maitrayee Chaudhuri from Jawaharlal Nehru University, New Delhi, along with expert speakers from Maharshi Dayanand University, Rohtak, Professor Khajan Singh Sangwan, and Professor Jitendra Prasad.During the closing session, the chief guest, Professor Maitrayee Chaudhuri, elaborated on the significance of comparative studies in sociology. She emphasized how comparative studies aid in understanding the ongoing societal changes and enable a better understanding of society. Professor Khajan Singh Sangwan, the main speaker, discussed the status of women in Haryana, highlighting the unique challenges faced due to rural culture and background. He shared various examples and experiences indicating the changing societal dynamics where women are increasingly surpassing men in various fields, thereby becoming the primary agents of societal change. The other main speaker, Professor Jitendra Prasad, elaborated on the economic, social, and gender-based disparities prevailing among women and men in society. He emphasized the crucial role of education in women empowerment, stating that education empowers women to overcome adversity.